Self Respect

23-07-2014

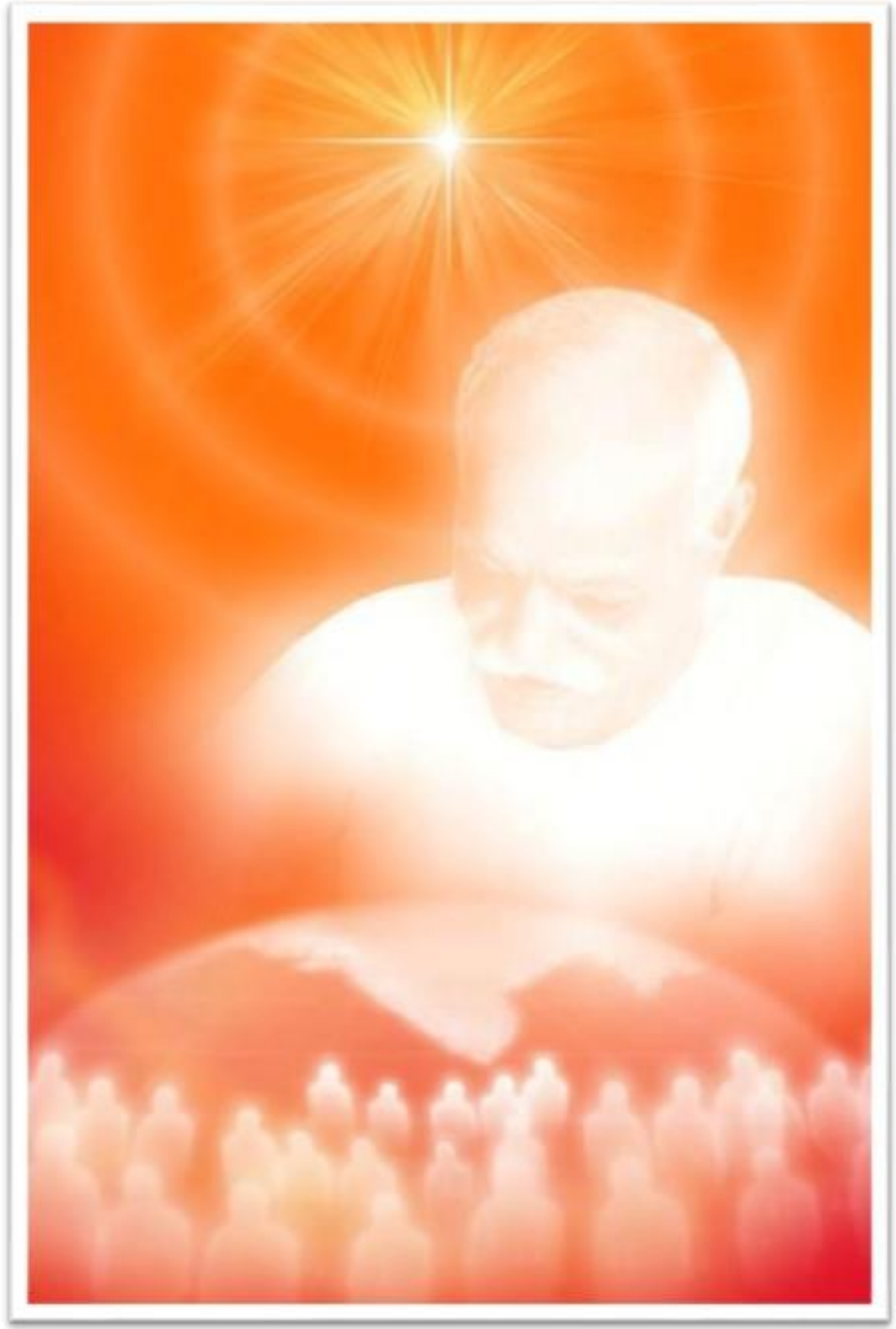

✓शिव भगवानुवाच, अपने को आत्मा समझकर बैठो । बाप फरमाते हैं शिव भगवानुवाच माना ही शिवबाबा समझाते हैं बच्चे अपने को आत्मा समझकर बैठो क्योंकि तुम सब ब्रदर्स हो । एक ही बाप के बच्चे हो । एक ही बाप से वर्सा लेना है, हूबहू जैसे 5 हजार वर्ष पहले बाप से वर्सा लिया था । आदि सनातन देवी-देवताओं की राजधानी में थे । बाप बैठ समझाते हैं तुम सूर्यवंशी अर्थात् विश्व के मालिक कैसे बन सकते हो । मुझ अपने बाप को याद करो । तुम सब आत्मायें भाई- भाई हो । ऊंच ते ऊंच भगवान् एक ही है । उस सच्चे साहेब के बच्चे साहेबजादे हैं ।

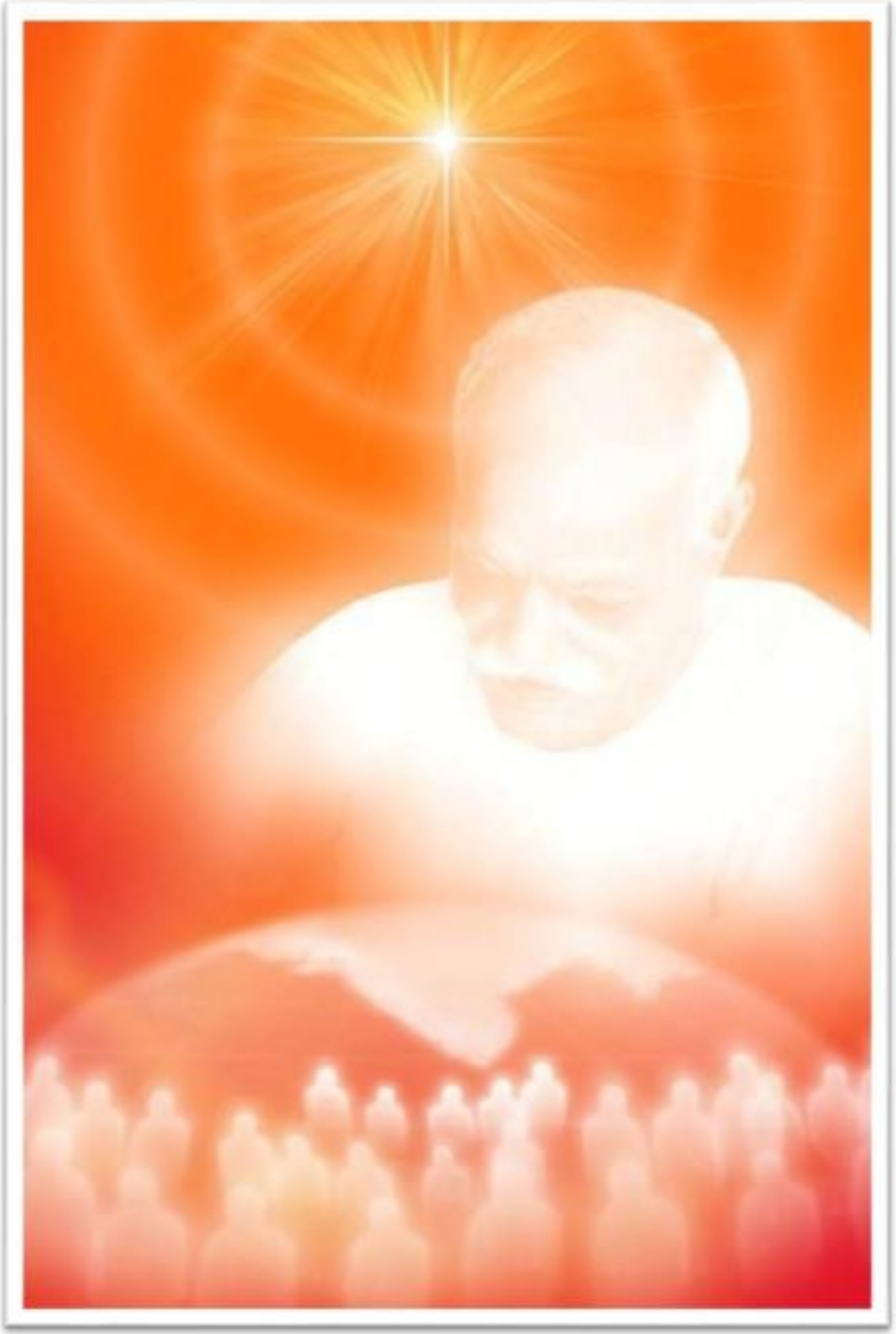

✓सभी नर्कवासी हैं । तुमने बहुत पाप किये हैं, इसको कहा जाता है रावण राज्य । सतयुग को कहा जाता है रामराज्य । तुम ऐसे समझा सकते हो । भल कितनी भी बड़ी सभा बैठी हो, भाषण करने में हर्जा थोड़ेही है । तुम तो भगवानुवाच कहते रहते हो।

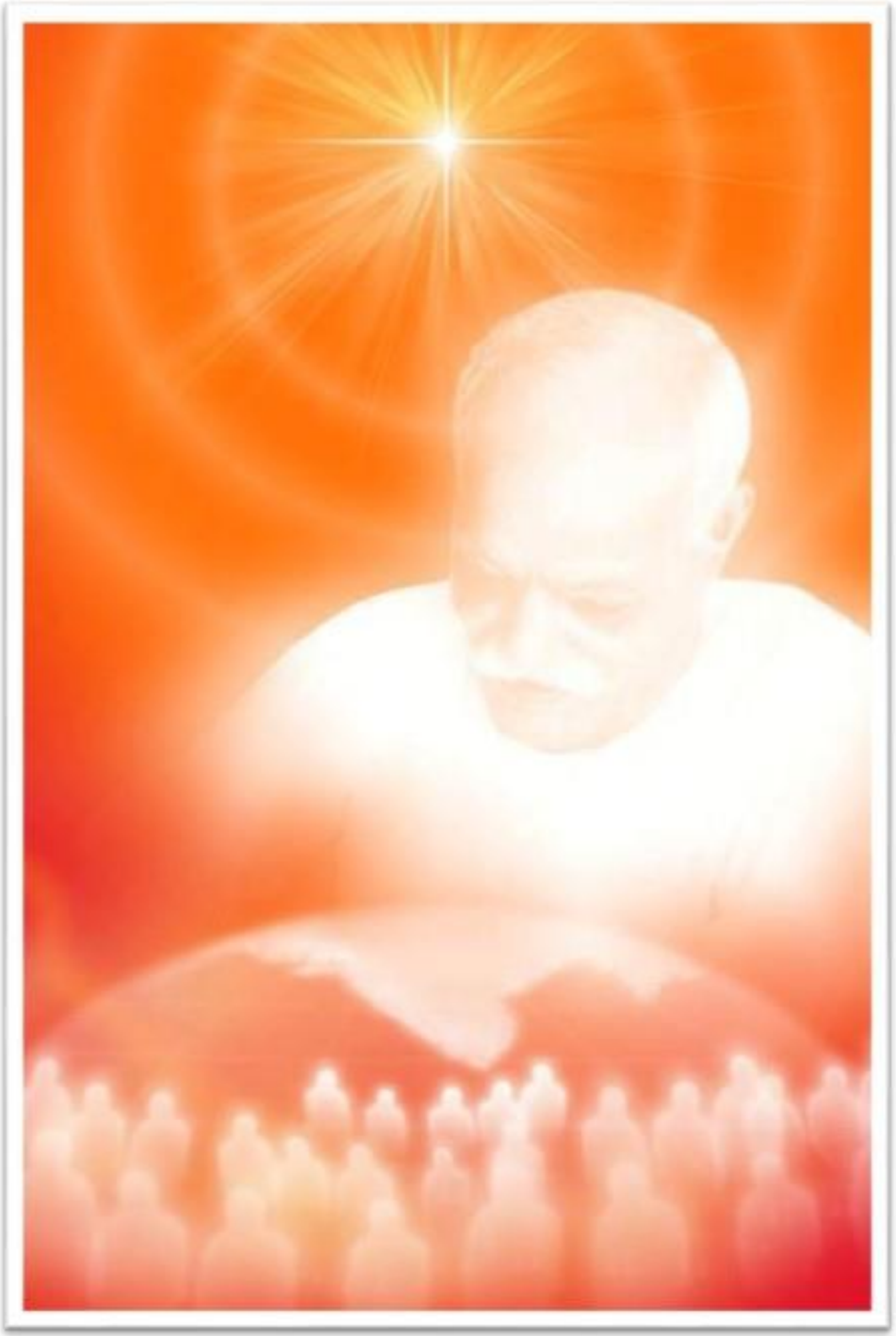

- ✓हम बी. के. सब शिवबाबा की श्रीमत पर चलते हैं । बाप कहते हैं तुम सब भाई- भाई हो, मैं तुम्हारा बाप हूँ ।

- ✓अब तो मौत सामने खड़ा है । बाप कहते हैं मामेकम् याद करो तो पाप कट जायेंगे । तुम सतोप्रधान बन जायेंगे । सुखधाम के मालिक बनेंगे । अभी तो है ही दुःख । कितना भी वे लोग कान्फ्रेंस करें, सगठन करें परन्तु इनसे कुछ होना नहीं है । सीढ़ी नीचे उतरते ही जाते हैं । बाप अपना कार्य अपने बच्चों द्वारा कर रहे हैं । तुमने पुकारा है पतित-पावन आओ, तो मैं अपने समय पर आया हुआ हूँ

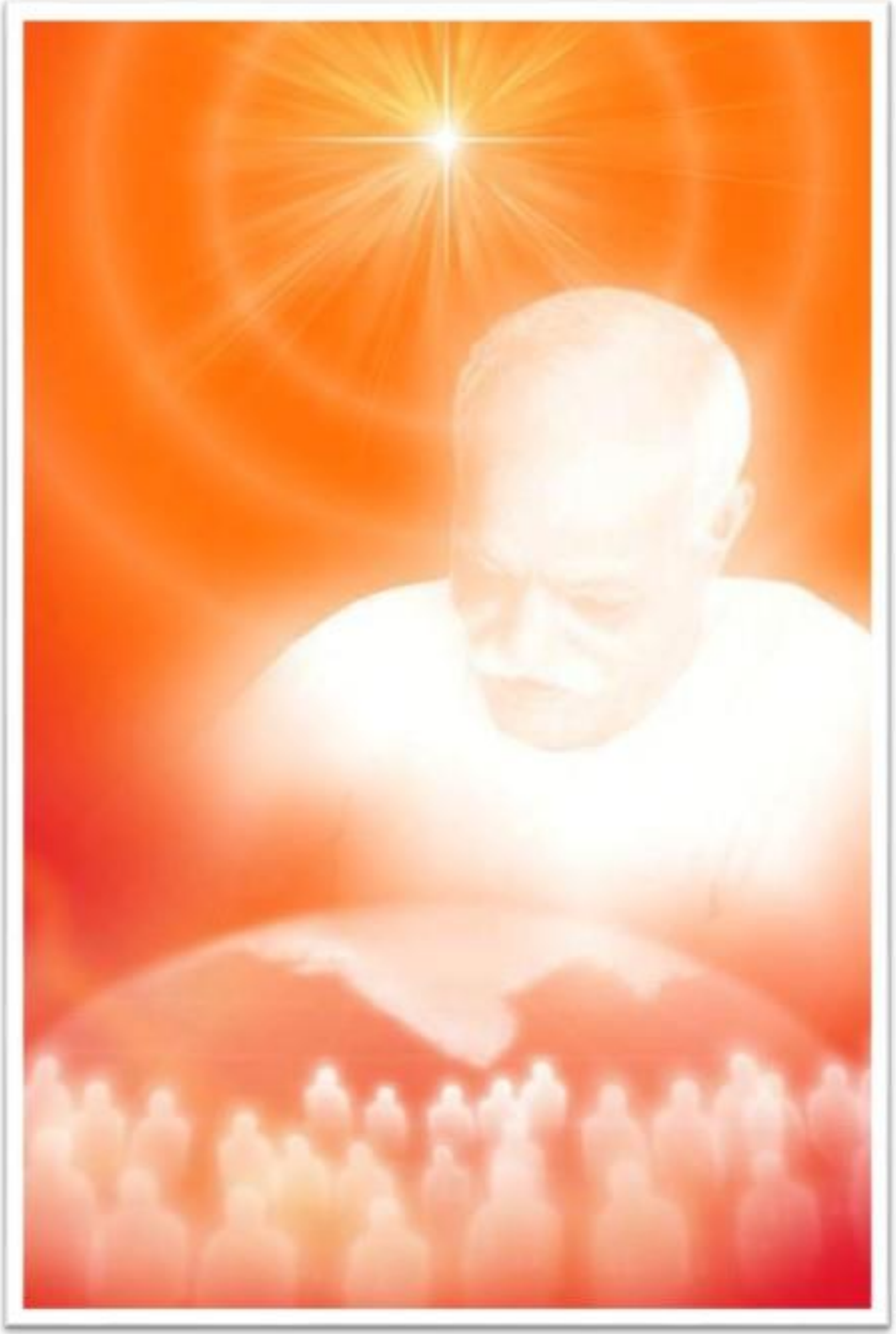

✓यह गीता एपीसोड चल रहा है । नई दुनिया की स्थापना ब्रह्मा द्वारा, पुरानी दुनिया का विनाश शंकर द्वारा

✓कलियुग के बाद फिर सतयुग जरूर बनना है । नई दुनिया की स्थापना, पुरानी दुनिया का विनाश होता है । गायन भी है ब्रह्मा द्वारा स्थापना । हम ब्रह्माकुमार-कुमारियां एडोप्टेड चिल्ड्रेन हैं । हम हैं ब्राह्मण चोटी । विराट रूप भी है ना । पहले ब्राह्मण जरूर बनना पड़े । ब्रह्मा भी ब्राह्मण है ।

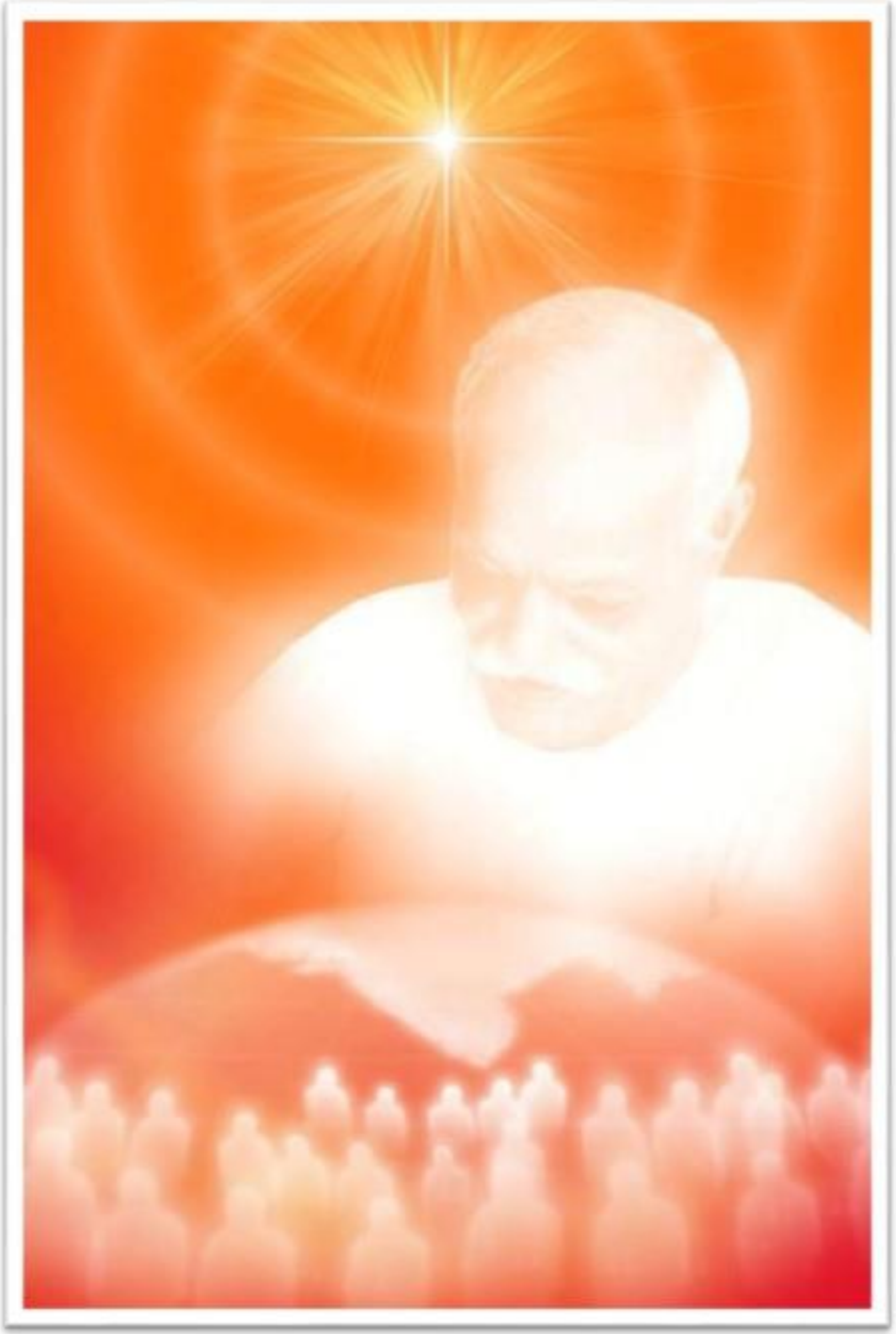

✓वरदान: उमंग-उत्साह से विश्व कल्याण की जिम्मेवारी निभाने वाले आलस्य व अलबेलेपन से मुक्त भव !

✓अच्छा! मीठे-मीठे सिकीलधे बच्चों प्रति मात-पिता बापदादा का याद-प्यार और गुडमॉर्निंग । रूहानी बाप की रूहानी बच्चों को नमस्ते ।